परिशिष्ट 1

अंग्रेज राजाओं का इतिहास

(History of English Monarchy)

	काल	*नाम*	*विशेषताएं*
1.	1707-1714	एनी	इनका विवाह डेनमार्क के जार्ज से हुआ तथा 17 बच्चे थे।
2.	1714-1727	जार्ज प्रथम (हनोबर घराने से संबंधित)	इनका विवाह जर्मन के सोफिया सेली से हुआ इनके 2 बच्चे थे।
3.	1727-1760	जार्ज द्वितीय	विवाह कैरोलीन अशं वक हनोबर से हुआ, इनके आठ बच्चे थे।
4.	1760-1820	जार्ज तृतीय	इनका विवाह चार्ललट से हुआ जो मैकलीन वर्ग से था, इनके 15 बच्चे थे।
5.	1820-1830	जार्ज चतुर्थ	इनका विवाह वर्नवीक के कैरोलीन में हुआ, इनकी एक कन्या थी।
6.	1830-1837	विलियम चतुर्थ	इनका विवाह सक्से मनिगन की एडिलेट से हुआ, इनके दो बच्चे थे।
7.	1837-1901	विक्टोरिया	विवाह अल्बर्ट, कोन्सर्ट से हुआ इनके 9 बच्चे थे।
8.	1901-1910	एडवर्ड सप्तम्	डेनमार्क की एलेक्डिरा से हुआ इनके 6 बच्चे थे।
9.	1910-1936	जार्ज पंचम	विवाह मेरी (ढेक) से हुआ छः बच्चे हुए।
10.	20 जनवरी, 11 दिसंबर 1936	एडवर्ड अष्टम्	विंडसर की डची, वलिस से विवाह किया, फ्रांसीसी थी इनके कोई बच्चा नहीं हुआ।
11.	1936-1952	जार्ज षष्ठम	विवाह ऐलिजावेथ बोबस लोअन वेस्ट मिनिस्टर एवी से, दो बच्चे।
12.	1952-अब तक	ऐलिजाबेथ द्वितीय	एडनबर्ग के ड्यूक से विवाह हुआ, चार बच्चे।

परिशिष्ट 2

इंग्लैंड के प्रधानमंत्री

(Prime Ministers of England)

18वीं शती के प्रधानमंत्री

18वीं शती में इंग्लैंड के प्रधानमंत्री किंगडम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन (1707 के यूनियन एक्ट के द्वारा यह इंग्लैंड, वेल्स तथा स्काट्लैंड के इलाके सम्मिलित करता था) रार्बट हरले तथा सिडनी गोडलफ़िन ने प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार बनाई परन्तु 'एनी महारानी' के शासन काल में उन्हें मान्यता प्रदान नहीं की।

नाम	*काल*	*राजनीतिक पार्टी*	*प्रमुख घटनाएं*
सर राबर्ट वाल्पोल (1742 से अर्ल आफ आरफोर्ड)	4 अप्रैल, 1721 से फरवरी 1742	विग	आधुनिक काल में पहले प्रधानमंत्री, साउथ सी बब्बल कंपनी घटना, जेकिन अर के युद्ध की हार के कारण बहुत भर्त्सना हुई।
दि अर्ल आफ विल्मिन्ग्टन्	16 फरवरी 1742 से 2 जुलाई 1743	विग	उनका स्वास्थ्य खराब रहा तथा जान क्रार्टीर शासन करते रहे। उन्होंने स्प्रिट पर कर बढ़ा दिया था।
हेनरी पेलहम	27 अगस्त 1743 से 6 मार्च 1754	विग	रॉयल नेवी का पुनर्गठन, ग्रेगरियन केलेंडर को अपनाना, विवाह एक्ट 1753, आस्ट्रियन गद्दी के युद्ध को समाप्त करने की कोशिश।
दि ड्यूक ऑफ न्यूकेसल (प्रथम कार्यकाल)	16 मार्च 1754 से 16 नवम्बर 1756	विग	उत्तरी अमेरिका को लेकर फ्रांस के साथ सात वर्षीय युद्ध।
दि ड्यूक ऑफ डेबेनशायर	16 नवम्बर 1756 से 25 जून 1757	विग	इस काल में सरकारी काम-काज विलियम पिट (अंग्रेज) ने किया।

नाम	काल	राजनीतिक पार्टी	प्रमुख घटनाएं
दि ड्यूक आफ न्यूकेसल (द्वितीय कार्यकाल)	2 जुलाई 1757 से 26 मई 1762	विग	इस बार सात वर्षीय युद्ध में ब्रिटेन की साख बढ़ी। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह युद्ध 'सेक्रटी आफ स्टेटस् पिट द एल्डर' के नेतृत्व में हुआ।
दि अर्ल आफ बयूट्	26 मई 1762 से 16 अप्रैल 1763	टोरी	सात वर्षीय युद्ध का अंत, उन्होंने विग पार्टी के प्रभुत्व का अंत किया।
जार्ज ग्रेननविले	16 अप्रैल 1763 से 13 जुलाई 1765	विग	उपनिवेशों के खर्च पर ग्रह कर में कटौती की तथा 1765 में स्टांप ड्यूटी लगाई (जो अमेरिकी स्वतंत्रता युद्ध का कारण बना)
दि मार्कक्यूसी ऑफ रोकिंघम (प्रथम कार्यकाल)	13 जुलाई 1765 से 30 जुलाई 1766	विग	स्टांप एक्ट को समाप्त किया क्योंकि ब्रिटिश व्यापारियों तथा अमरीकी लोगों में अंसतोष था।
दि अर्ल आफ चेथम विलियम पिट दि एल्डर	30 जुलाई 1766 से से 14 अक्तूबर 1768	विग	वह पहले साम्राज्यवादी थे। उनके काल में साम्राज्यवाद का विस्तार आरम्भ हुआ। फ्रांसीसी क्रांति के अपरोक्ष जिम्मेदार थे। (फ्रांस की कनाडा में हार)
दि ड्यूक आफ ग्रेफ़टन्	14 अक्तूबर 1768 से 28 जनवरी 1770	विग	अमरीकी उपनिवेशों के साथ संघर्ष सुलझाने की कोशिश की।
लार्ड नार्थ	28 जनवरी 1770 से 22 मार्च 1782	टोरी	ब्रिटेन को अमरीकी क्रांति का सामना करना पड़ा, गोर्डन दंगे, तथा अविश्वास प्रस्ताव से हटाए गए।
दि मार्कक्यूसेस ऑफ रोकिंघम (द्वितीय कार्यकाल)	27 मार्च 1782 से 1 जुलाई 1782	विग	उन्होंने अमरीकी स्वतंत्रता की घोषणा की तथा राजनीतिक सुधार शुरू किया (कार्यकाल में मृत्यु हुई)
दि अर्ल आफ शेलबर्ने	4 जुलाई 1782 से अप्रैल 1783	विग	संयुक्त राज्य, फ्रांस तथा स्पेन से समझौता तथा राजनीतिक सुधार शुरू किए।
दि ड्यूक ऑफ पोर्टलैंड (प्रथम कार्यकाल)	2 अप्रैल 1783 से 19 दिम्बर 1783	विग	फाक्स-नार्थ मिली-जुली सरकार के नाम के अध्यक्ष। उन्होंने ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी में सुधार की कोशिश की परन्तु जार्ज तृतीय ने इसे रोक दिया।
विलियम पिट (अनुज) (प्रथम कार्यकाल)	19 दिसम्बर 1783 से 14 मार्च 1801	टोरी	1783 का 'इंडिया एक्ट' गुलामी प्रथा के विरोधी, 'रोटेन् बोरोग' को हटाने की कोशिश, उत्तरी अमरीकी उपनिवेशों में विद्रोह के कारण 'राष्ट्रीय कर्ज' हटाया, 1791 में त्रिपक्षीय संधि की पहला आय कर, फ्रांस से युद्ध, यूनियन एक्ट 1800।

19वीं शती के प्रधानमंत्री

इस काल के प्रधानमंत्री यूनाइटेड किंग्डम आफ ग्रेट ब्रिटेन तथा आयरलैंड के प्रधानमंत्री थे। 1800 के यूनियन एक्ट के उपरांत (ग्रेट ब्रिटेन तथा आयरलैंड का एकीकरण हो गया था)।

नाम	काल	राजनीतिक पार्टी	प्रमुख घटनाएं
हेनरी एडिंग्टन	17 मार्च 1801 से 10 मई 1804	टोरी	1802 की अमीनस संधि फ्रांस के साथ की।
विलियम पिट (अनुज) (दूसरी बार)	10 मई 1804 से 23 जनवरी 1806	टोरी	रूस के साथ संधि; आस्ट्रिया व स्वीडन के साथ मिलकर फ्रांस के विरुद्ध तीसरा मोर्चा बनाया। उलम, ट्राफल्गार तथा अस्टरलिटिज् के युद्ध।
दि लार्ड ग्रेनविले	11 फरवरी 1806 से 31 मार्च 1807	विग	गुलामी प्रथा के अंत की घोषणा, दास व्यापार समाप्त किया।
दि ड्यूक आफ पोर्टलैंड (दूसरी बार)	31 मार्च 1807 से 4 अक्तूबर 1809	टोरी	उनके केबिनेट का नेतृत्व स्पेंसर परसवील ने किया, वे अधिक उम्र के थे तथा अक्सर बीमार रहते थे।
सस्पेंसर पार्सवील	4 अक्तूबर 1809 से 11 मई 1812	टोरी	औद्योगिक क्रांति, जार्ज तृतीय का पागलपन, उनका केबिनेट उच्च अधिकारी से रिक्त था। (वह एक्वेकर के चांसलर रहे) नेपोलियन से युद्ध, महाद्वीपीय युद्ध में रहे, तथा पहले प्रधानमंत्री थे जिनका हत्या हुई।
अर्ल आफ लिवरपूल	8 जून 1812 से 9 अप्रैल 1827	टोरी	नेपोलियन से युद्ध में जीत हासिल की, कांग्रेस आफ वियना, आर्थिक मंदी-1817, 1812 का युद्ध (ब्रिटेन अमरीका) पीटरलु हत्याकांड 1819, सोने की स्थिति बरकरार, 1819, कटोस्ट्रीट षड्यंत्र उनकी हत्या के लिए रचा गया, 1820।
जार्ज केनिंग	10 अप्रैल, 1827 से 8 अगस्त 1827	टोरी	प्रधानमंत्री पद ग्रहण करने के बाद उनकी मृत्यु हुई।
दि विस्कांट गौडरिच	31 अगस्त 1827 से 21 जनवरी 1828	टोरी	सदस्यों में समर्थन न जुटा पाने के कारण। त्यागपत्र देने को बाध्य हुए।
दि ड्यूक ऑफ वेलिंग्टन (प्रथम बार)	22 जनवरी 1828 से 16 नवम्बर 1830	टोरी	केथोलिक मुक्ति विधेयक प्रस्तुत किया (उन्हें काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा)।
दि अर्ल ग्रे	22 नवम्बर 1830 से 9 जुलाई 1834	विग	सुधार अधिनियम, 1812; बच्चों की नौकरी पर प्रतिबंध तथा ब्रिटिश साम्राज्य में गुलामी समाप्त।
दि विस्कांट मेलबोर्न (प्रथम बार)	16 जुलाई 1834 से 14 नवम्बर 1834	विग	विलियम चतुर्थ के विरोधस्वरूप उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा।

नाम	काल	राजनीतिक पार्टी	प्रमुख घटनाएं
दि ड्यूक ऑफ वेलिंगटन (दूसरी बार)	14 नवम्बर 1834 से 10 दिसम्बर 1834	टोरी	कामचलाऊ सरकार, सर राबर्ट पील वापिस लंदन आए तथा काफी मंत्रालय अपने पास रखे।
सर राबर्ट पील (पहली बार)	18 दिसम्बर 1834 से 8 अप्रैल 1835	कंजर्वेटिव	संसद में बहुमत प्राप्त करने में असफल, त्यागपत्र दिया।
दि विस्कांट मेलबोर्न (दूसरी बार)	18 अप्रैल 1835 से 30 अगस्त 1841	विग	महारानी विक्टोरिया के लिए पिता सम्मान थे। म्युनिसिपल एक्ट 1835।
सर रॉबर्ट पील (दूसरी बार)	30 अगस्त 1841 से 29 जून 1846	कजंर्वेटिव	फैक्टरी एक्ट (1844), माइन्स एक्ट (1844), रेलवे एक्ट (1844), कार्न लॉ की समाप्ति (आयरिश अकाल के कारण)
दि लार्ड जान रसल् (प्रथम बार) (बाद में प्रधानमंत्री- अर्ल रसल्)	30 जून 1846 से 21 फरवरी 1856	विग	शिक्षा एक्ट 1847, आस्ट्रेलिया कालोनी एक्ट 1850, गरीब कानून में सुधार।
दि अर्ल ऑफ डर्बी (पहली बार)	23 फरवरी 1852 से 17 दिसम्बर 1852	कंजर्वेटिव	उनके चांसलर बजट की असफलता के कारण सरकार का पतन हुआ।
दि अर्ल ऑफ अबरडीन	19 दिसम्बर 1852 से 30 जनवरी 1855	पीलाइट विग	देश को क्रीमियाई युद्ध में खींचा, त्यागपत्र देना पड़ा, जब युद्ध की जांच शुरू की गई। वह पहले और आखिरी पीलाइट प्रधनमंत्री थे।
दि विस्कांट पार्मस्टन (पहली बार)	6 फरवरी 1855 19 फरवरी 1858	विग	1857 विद्रोह तथा इंडिया बिल, 1858।
दि अर्ल ऑफ डरबी (दूसरी बार)	20 फरवरी 1858 से 11 जून 1859	कंजर्वेटिव	1858 में ईस्ट इंडिया शासन भारत में समाप्त तथा भारत का शासन राजसत्ता को हस्तांतरित। ज्यूस रिलिफ एक्ट, वे अब पार्लियामेंट के सदस्य बन सकते थे।
दि विस्कांट पार्मस्टन (दूसरी बार)	12 जून 1859 से 18 अक्तूबर 1865	लिबरल	उन्होंने लिबरल् पार्टी बनाई तथा कार्यकाल में मृत्यु।
दि अर्ल ऑफ रसेल (दूसरी बार) (पहले लार्ड- जान रसेल के प्रधानमंत्री)	29 अक्तूबर 1865 से 26 जून 1866	लिबरल	सुधार बिल का प्रस्ताव किया परंतु केबिनट ने विरोध किया।
दि अर्ल ऑफ डरबी (तीसरी बार)	28 जून 1866 से 25 फरवरी 1868	कंजर्वेटिव	सुधार एक्ट 1867। कई इन्हें कंजर्वेटिव पार्टी का जनक मानते थे।

नाम	काल	राजनीतिक पार्टी	प्रमुख घटनाएं
बैंजामिन डिसराइली (पहली बार)	27 फरवरी 1868 से 1 दिसम्बर 1868	कजंर्वेटिव	यू.के. के पहले यहूदी प्रधानमंत्री, संसद को भंग किया क्योंकि कंजर्वेटिव पार्टी को समर्थन नहीं मिला।
विलियम एवार्ट ग्लैडस्टोन (पहली बार)	3 दिसम्बर 1868 से 17 फरवरी 1874	लिबरल	ब्रिटिश सेना में सुधार किया, सिविल सेवा तथा अन्य सेवाओं में सुधार, कोड़े मारने की सजा समाप्त, बेलट एक्ट, 1872 फ्रांस-प्रशिया युद्ध रोकने में असफल।
बैंजामिन (दूसरी बार) (1876 से अर्ल ऑफ बेकनीसफील्ड)	20 फरवरी 1874 से 21 अप्रैल 1880	कंजर्वेटिव	इस काल में सुधार किए जैसे—क्लाईविंग बायस एक्ट, 1875, पब्लिक हेल्थ एक्ट, 1875, एंप्लायर एंड वर्कमेन एक्ट 1878, कांग्रेस ऑफ बर्लिन, जूलु युद्ध।
विलियम एवार्ट ग्लेडस्टोन (दूसरी बार)	23 अप्रैल 1880 से 9 जून 1885	लिबरल	प्रथम बोअर युद्ध, आयरिश कोरशन एक्ट, सीट बढ़ाने का एक्ट, 1885 सुधार अधिनियम 1884, जनरल गोर्डन को, खार्तूम, सूडान में बचाने में असफल।
दि मार्कक्यूस ऑफ सेलिस्बरी (प्रथम बार)	23 जून 1885 से 28 जनवरी 1886	कंजर्वेटिव	उन्होंने श्रमिक वर्ग को मकान दिलवाने के लिए कानून पारित करवाया।
विलियम अवार्ट ग्लैडस्टोन (तीसरी बार)	1 फरवरी 1886 से 20 जुलाई 1886	लिबरल	आयरलैंड के लिए होम रूल बिल पेश जो लिबरल पार्टी में टूटने का कारण बना तथा ग्लैडस्टोन सरकार का पतन।
दि मार्क्सक्यू ऑफ ऐलिस्बरी (दूसरी बार)	25 जुलाई 1886 से 11 अगस्त 1892	कंजर्वेटिव	आयरिश होम रूल का विरोध, लोकल गवर्नमेंट एक्ट 1888, अफ्रीका का विभाजन। मुफ्त शिक्षा योजना 1891 तथा रोडेशिया की घोषणा (अब जिम्बाबवे)।
विलियम अवार्ट ग्लैडस्टोन (चतुर्थ बार)	15 अगस्त 1892 से 2 मार्च 1894	लिबरल	होम रूल बिल को पुन: पेश किया गया। हाउस ऑफ कामन्स में पारित। हाउस ऑफ लार्डस में असफल सरकार का पतन व त्यागपत्र।
दि अर्ल ऑफ रोसबेरी	5 मार्च 1894 से 22 जून 1895	लिबरल	साम्राज्यवादी रॉयल नेवी के विस्तार की योजना, लिबरल पार्टी से असहयोग, त्यागपत्र देना पड़ा जब मिल्ट्री सप्लाई पर वोट गिर गया।
दि मार्क्सक्यूस ऑफ सेलिस्बरी (तीसरी बार)	25 जून 1895 से 11 जुलाई 1902	कंजर्वेटिव	आंग्ल-जापान मित्रता, बोअर युद्ध तथा वर्कमैन कंपनसेंशन एक्ट पारित 1897।

20वीं शती के प्रधानमंत्री

इस काल में यूनाइटेड किंग्डम की पार्लियामेंट का क्षेत्राधिकार 1922 तक नहीं बदला परन्तु इसके पश्चात् आंग्ल-आइरिश युद्ध के कारण आयरलैंड की 26 काउंटियों ने यूनाईटेड किंग्डम से नाता तोड़ लिया तथा फ्री आयरिश स्टेट बनायी। अन्य छः काउंटियों ने यूनियन से नाता बनाये रखा, तथा यह क्षेत्र उत्तरी आयरलैंड कहलाया। इसका अधिकारिक नाम अंत में यूनाईटेड किंग्डम ऑफ ग्रेट ब्रिटेन एंड नोदर्न आयरलैंड हो गया (1927)।

नाम	*काल*	*राजनीतिक पार्टी*	*प्रमुख घटनाएं*
आर्थवेलफोर	11 जुलाई 1902 से 5 दिसंबर 1905	कंजर्वेटिव	एडवर्ड सप्तम् के साथ संबंध समान्य नहीं रहे, मुक्त व्यापार पर केबिनेट टूटा, कमेटी ऑफ इंपीरीयल की स्थापना, एन्तेकोडिले
सर हेनरी कैम्पवेल बेनरमेन	15 दिसंबर 1905 से 7 दिसंबर 1908	लिबरल	ट्रांसबेल तथा ओरेन्ज फ्री स्टेट को स्वयत्तता, आंग्लस्थी मित्रता पार्लियामेंटली कानून में पहले प्रधानमंत्री।
एच.एच. आसकिथ	7 अप्रैल 1908 से 7 दिसंबर 1916	लिबरल	लिबरल कल्याण सुधार जनकल्याण बजट, पार्लियामेंटली एक्ट 1911, होमरुल एक्ट 1914, प्रथम विश्वयुद्ध 1914, ईस्टर विद्रोह।
डेविड लॉयड जार्ज	7 दिसंबर 1916 से 19 अक्तूबर 1912	लिबरल	प्रथम विश्वयुद्ध का अन्त पेरिस शान्ति कॉन्फ्रेंस, आयरलैड में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सैन्य सेवा की शुरुआत, 31 वर्ष से ऊपर स्त्रियों को मत देने का अधिकार, उनकी मात भाषा इंग्लिश नहीं थी बैलिस थी। वे अकेले ही गैर-आंग्ल भाषी प्रधानमंत्री थे।
एंड्रयू बोर्न लॉ	23 अक्तूबर 1922 से 20 मई 1923	कंजर्वेटिव	कमजोरी के कारण सेहत खराब, इस्तीफा दिया छः महीने बाद मृत्यु।
स्टेलनी बल्दिवन (पहली बार)	23 जुलाई 1923 से 16 जनवरी 1924	कंजर्वेटिव	व्यापार संरक्षणवादी नीति को प्रोत्साहित करने के लिए आम चुनावों में सहमति लेने का प्रयास परन्तु बहुमत प्राप्त नहीं हुआ तथा त्यागपत्र दिया।
रैमसे मेकडोनाल्ड (पहली बार)	5 जून 1929 से 24 अगस्त 1931	लेबर	मारग्रेट बोड फील्ड नाम की पहली महिला नियुक्ति 1929 के अर्थिक मंदी के दौर को झेलना पड़ा।
रैमसे मेकडोनाल्ड (तीसरी बार)	24 अगस्त 1931 से 7 जून 1935	नैशनल लेबर (राष्ट्रीय-सरकार)	लेबर पार्टी के सहयोग से सरकार बनाने पर असमर्थ होने पर उन्होंने इस्तीफा दिया परन्तु राष्ट्रीय सरकार बनाई (कजंर्वेटिव तथा लिबरल पार्टी के सहयोग में) बर्खास्त किए गए।
स्टेलनी बल्दिविन (तीसरी बार)	7 जून 1935 से 28 मई 1937	कंजर्वेटिव (राष्ट्रीय-सरकार)	एडवर्ड सप्तम् के पद छोड़ने की कार्यवाही को सम्भाला, शस्त्रीकरण शुरू किया परन्तु हिटलर के मुकाबले कम शस्त्रीकरण से उनकी

नाम	काल	राजनीतिक पार्टी	प्रमुख घटनाएं
			आलोचना हुई वाइसराय की सन्धि में जर्मनी की प्रतिबद्धता को समाप्त किया।
नेवली चैंबर लीन	28 मई 1937 से 10 मई 1940	कंजर्वेटिव (राष्ट्रीय-सरकार)	द्वितीय विश्व युद्ध को रोकने के लिए जर्मनी तुष्टीकरण की नीति, पौलैण्ड हमले के बाद आलोचना हुई, मिली-जुली सरकार न बना पाने के कारण त्यागपत्र दिया।
विंटसन चर्चिल (पहली बार)	10 मई 1940 से 23 मई 1945	कंजर्वेटिव (मिली-जुली सरकार)	द्वितीय विश्व युद्ध मिली-जुली सरकार चलाई। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना, यूरोपीय संघ की प्रस्तावना पर यू.के. को बाहर रखने की प्रक्रिया।
विंटसन चर्चिल (दूसरी बार)	23 मई 1945 से 27 जुलाई 1945	कंजर्वेटिव (कामचलाऊ सरकार)	चर्चिल को मिली-जुली सरकार के बाद लिबरल- नेशनल तथा पार्टी के बाहर के सदस्यों के साथ कामचलाऊ सरकार बनाने का मौका मिला परन्तु 1945 में वे आम चुनावों में हार गए।
कलेमट एडली	27 जुलाई 1945 से 26 अक्तूबर 1951	लेबर	युद्ध पश्चात् अनेक बदलाव। सभी सेवाओं का राष्ट्रीयकरण। नेशनल हेल्थ सर्विस। नेशनल इश्योरेंस योजना, भारत की स्वतंत्रता फिलिस्तीन में ब्रिटेन के दावे की समाप्ति तथा नाटो की स्थापना।
विंटसन चर्चिल (तीसरी बार)	26 अक्तूबर 1951 से 7 अप्रैल 1955	कंजर्वेटिव	आंतरिक नीति पर विदेश नीति का प्रभाव (आपरेशन अजक्स माउ-माउ विद्रोह तथा मलाया आपातकाल)
सर एंथनी एडन	7 अप्रैल 1955 से 10 जनवरी 1957	कंजर्वेटिव	मिस्र को स्वेज नहर का राष्ट्रीयकरण करने से रोकने में असफल। स्वेज युद्ध
हेराल्ड मैकमिलन	10 जनवरी 1957 से 19 अक्तूबर 1963	कंजर्वेटिव	यू.के. ने यूरोपीयन आर्थिक समुदाय में पहली बार भाग लिया, कंजर्वेटिव में इसको लेकर फूट पड़ी। प्रोफ्यूमी मामला चार्ल्स डि गाल; फ्रांस के राष्ट्रपति।
ऐलक डगलस् होम	19 अक्तूबर 1963 से 16 अक्तूबर 1964	कंजर्वेटिव	वह अर्ल ऑफ होम थे, जब वे प्रधानमंत्री बने। 23 अक्तूबर 1963 को उन्होंने हाउस ऑफ कामन्स के लिए नामांकन भरा।
हेराल्ड विल्सन (पहली बार)	16 अक्तूबर 1964 से 19 जून 1970	लेबर	सामाजिक सुधार, गर्भपात को तथा समलैंगिकता को कानूनी मान्यता, अर्थिक उद्भाव की योजना, रोडेशियन यू.डी.आई. को मान्यता फिर मान्यता रद्द। पाउंड का अवमूल्यन खुले विश्वविद्यालय की स्थापना

नाम	*काल*	*राजनीतिक पार्टी*	*प्रमुख घटनाएं*
			तथा ट्रेड यूनियन में 'इन प्लेस ऑफ स्ट्राइफ' मुद्दे पर समस्या।
एडवर्ड हीथ	19 जून 1970 से 4 मार्च 1974	कंजर्वेटिव	औद्योगिक मामलों में रुख बदला, ब्रिटेन की यूरोपियन इकनोमिक कम्यूनिटि में वापसी पर मशविरा, उत्तरी आयरलैंड में हिंसा बढ़ी, दि सन्नीगडेल संधि, थ्री डे वीक् तथा जल्दी चुनावों की घोषणा की ताकि हड़ताली खान मजदूरों की समस्या से ध्यान हटाया जाए।
हेराल्ड विल्सन (दूसरी बार)	4 मार्च 1974 से 5 अप्रैल 1976	लेबर	खान मजदूरों से समझौता, ट्रेड यूनियनों के साथ सामाजिक समझौता, हेल्थ एंड सेफ्टी एट वर्क एक्ट, यूरोपीय यूनियन में शामिल होने की बातचीत शुरू, 1975 का रेफ्रडेंम तथा नार्थ सी-आयल्।
जेम्स कालाघन	5 अप्रैल 1976 से 4 मई 1979	लेबर	पौंड को समर्थन के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष से ऋण, लिब-लेब योजना, स्काटलैंड तथा वेल्स में मुद्रा अवमूल्यन परंतु जनमत से उन्हें रोका गया। ट्रेड यूनियन के साथ संबंध सामान्य नहीं रहे *विंटर ऑफ डिस्कंटेंट*
माग्रेट थेचर	4 मई 1979 से 28 नवम्बर 1990	कंजर्वेटिव	यू.के. की पहली महिला प्रधानमंत्री, फाकलैंड युद्ध, बेरोजगारी सकंट, खान मजदूर हड़ताल, 1984-85 कौंसिल हाउसिंग एक्ट (किरायेदारों) के लिए पारित किया। सरकारी उद्योग का निजीकरण। ट्रेड यूनियन की ताकत घटाई, जी.एल.सी. का समापन, आंग्ल आयरिश समझौता, यूरोपीय संघ बजट तथा पोल टेक्स।
जान मेजर	28 नवम्बर 1990 से 2 मई 1997	कंजर्वेटिव	विश्व मंदी खाड़ी युद्ध, मॉस्ट्रिख संधि को मान्यता। यूरोपीय एक्सचेंज कार्य से बाहर (काला बुधवार)। नागरिकों का चार्टर बैक टू बेसिक आंदोलन; मॉस्ट्रिख विद्रोही कोनस् हाटलाइन एवम, डेंजरस डॉग्स एक्ट।
टोनी ब्लेयर	2 मई 1997 से 27 जून 2007	लेबर	इराक युद्ध, इग्लैंड बैंक को स्वायत्तता, बेलफास्ट संधि, मानक अधिकार एक्ट, स्काटलैंड तथा वेल्स में अवमूल्यन भूमि सुधार, हाऊस ऑफ लार्ड में सुधार, जी.एल.ए लंदन के मेयर, अफगानिस्तान का युद्ध, कोसोवो युद्ध, विश्वविद्यालय फीस मुद्दा, पीरऐज के लिए नकदी

21वीं शती के प्रधानमंत्री

नाम	*काल*	*राजनीतिक पार्टी*	*प्रमुख घटनाएं*
गार्डन ब्राउन	27 जून 2007 (अभी तक हैं)	लेबर	लंदन कार बम घटना, 2007, ग्लासगो एयरपोर्ट हमला, 2007 यू.के. मुंह व पैर की बीमारी, यू.के. में बाढ़, 2007